Daily Gospel Reflections in Hindi

14 June 2019

लूकस 7:11-23

THE BLIND SEE AND THE LAME WALK

आज के सुसमाचार में हम दो घटना देखते हैं। पहली घटना में येसु नाईन की विधवा के बेटे को जीवन प्रदान करते है। येसु नाईन नगर पहुंचने के पहले कफरनाहूम में थे। वहां पर येसु अपने वचन की शक्ति से शतपति के नौकर को चंगा करते हैं। आज के सुसमाचार के घटना में भी येसु अपने वचन की ताकत से मुर्दे को जीवनदान देते हैं। प्रभु ने इतना ही कहा 'युवक मैं तुम से कहता हूं उठो'। और वह उठ बैठा! प्रभु के वचन की शक्ति और उसका सामर्थ्य में हमें दृढ़ विश्वास करना चाहिए।

दूसरी घटना में योहन अपने दो शिष्यों को येसु के पास भेजते और पूछते है कि आप ही मसीह है या हम और किसी की प्रतीक्षा करें ? लेकिन प्रभु येसु सीधे नहीं कहते कि मैं मसीह हूं बल्कि स्वर्ग राज्य के चिन्हों के बारे में बताते है। लूकस के सुसमाचार अध्याय चार में हम देखते है कि येसु अपने बपतिस्मा के बाद प्रथम बार जब नाजरेत से सभागृह गये तब येसु अपने मिशन के बारे में लोगों को बताया और वहीं मिशन कामों का उदाहरण येसु योहन के शिष्यों को सुनाते हैं।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019